भुलक्कड़ किसान

(हास्यप्रद कहानी)

5

किसी गाँव में एक किसान रहता था। वह बहुत *भुलक्कड़* था। उसके पास छः गधे थे। वह उन गधों पर अपने खेत की फसल लादकर ले जाता और *मंडी* में बेचता था। इस प्रकार वह अपने जीवन का *निर्वाह करता* था।

एक बार उसने गधों पर चावल के बोरे लादे और बाजार की ओर चल दिया। उसने मंडी में चावल बेचा और शाम को घर के लिए वापस लौटा। वह एक गधे पर बैठ गया तथा अन्य पाँच गधों को हाँक-हाँककर आगे बढ़ाने लगा।

रास्ते में उसने सोचा कि गधों को गिन लिया जाए जिससे पता लग जाए कि कहीं कोई पीछे तो नहीं छूट गया। वैसे भी मेरी पत्नी मुझे भुलक्कड़ कहती रहती है। उसने गधों को गिनना शुरू किया–'एक...दो...तीन... चार.... पाँच! अरे पाँच ही गधे!' उसने दोबारा गिना, फिर तीसरी बार भी गिना–"अरे.... वही पाँच गधे! छठा कहाँ गया?"

वह इसी तरह बार-बार गिनता रहा और *परेशान* होता रहा । एक बार भी उसने उस गधे को नहीं गिना, जिस पर वह स्वयं बैठा हुआ था।

किसान अब बुरी तरह परेशान हो गया। वह यही सोचता रहा कि आखिर छठा गधा गया कहाँ? उसे याद था, सुबह जब वह घर से चला था तो छः गधे थे। आखिर

छठा गधा कहाँ हो सकता है? बाजार काफी पीछे छूट गया था। फिर भी वह मुड़कर बाजार की ओर चल पड़ा। रास्ते में उसने कई *राहगीर* से भी पूछा कि क्या आस-पास कोई गधा देखा? हर व्यक्ति ने यही कहा कि उसे कहीं कोई गधा दिखाई नहीं दिया।

बेचारा उदास होकर तथा गधा मिलने की सभी आशाएँ छोड़कर पुनः घर की ओर चल पड़ा।

देर रात होने पर वह घर पहुँचा। उसकी पत्नी घर के बाहर खड़ी थी। वह अपने पति को देखते ही समझ गई कि वह बहुत परेशान हैं, हो न हो वह आज भी कुछ भूल आए हैं। उसने पूछा–"क्या बात है? कुछ परेशान दिखाई दे रहे हो!"

"आज तो बड़ा *नुकसान* हो गया"– किसान बोला। "मेरे छः गधों में से एक गधा कहीं खो गया। सुबह जब मैं घर से चला था, तो पूरे छः गधे थे। मगर बाजार से वापस लौटते समय रास्ते में मैंने गधों की गिनती की, तो एक गधा कम था। सैंकड़ों बार गिना, मगर पाँच ही गधे थे!" यह कहकर वह उस गधे से नीचे उतर आया, जिस पर वह बहुत देर से बैठा हुआ था।

उसकी पत्नी को बड़ा गुस्सा आया। उसके सामने छहों गधे खड़े थे। वह समझ गई कि क्या हुआ होगा। *क्रोधित* होकर वह चिल्लाई–

"तुम तो *निरे मूर्ख* हो! तुमने उस गधे को गिना ही नहीं, जिस पर तुम स्वयं बैठे हुए थे! ये रहे हमारे छः गधे।"

अब किसान को समझ में आया कि छठा गधा न मिलने का क्या कारण था!

वह मुँह बनाए अपनी पत्नी को देखता रहा। अपनी झेंप मिटाने के लिए उसने अपनी पत्नी से कहा–"देखो, बात यह

है कि दिनभर की दौड़-धूप से मैं इतना थक जाता हूँ कि बस कुछ याद ही नहीं रहता!"

उसके इस भोलेपन को देखकर उसकी पत्नी का सारा गुस्सा उतर गया और वह मुस्कुराने लगी।

शब्द-भंडार

भुलक्कड़ — जो भूल जाता हो *(short memory loss)*,
मंडी — बाजार *(market)*,
राहगीर — यात्री *(passenger)*,
क्रोधित — गुस्सा होना *(anger)*,
निर्वाह करना — पालन करना *(to bring up)*,
परेशान — दु:खी *(worried)*,
नुकसान — हानि *(loss)*,
निरे मूर्ख — बिलकुल बेवकूफ *(stupid)*।

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

भुलक्कड़ हाँक-हाँककर राहगीर सैंकड़ों क्रोधित झेंप

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) किसान कहाँ रहता था?

(ख) किसान अपना जीवन कैसे व्यतीत करता था?

(ग) रास्ते में उसने क्या सोचा?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) भुलक्कड़ किसान के कुल कितने गधे थे?

☐ चार ☐ पाँच ☐ छह

(ख) किसान की पत्नी को उस पर ..... आया।

☐ स्नेह ☐ क्रोध ☐ दोनों

(ग) किसान के ..... से उसकी पत्नी का सारा गुस्सा उतर गया।

☐ चिड़चिड़ेपन ☐ भुलक्कड़पन ☐ भोलेपन

(घ) अंत में उसकी पत्नी ..... लगी।

☐ क्रोधित ☐ मुस्कुराने ☐ झिल्लाने

2. वाक्यों को पूरा कीजिए–

मुँह, घर, भुलक्कड़, बाजार, छः

(क) किसान ..... था।

(ख) किसान के पास ..... गधे थे।

(ग) देर रात होने पर किसान ..... पहुँचा।

(घ) ..... काफी पीछे गया।

(ङ) किसान ..... बनाए अपनी पत्नी को देखता रहा।

3. सही वाक्य के सामने (✓) तथा गलत के सामने (✗) का निशान लगाइए–

(क) किसान के पास सात गधे थे। ☐

(ख) किसान ने अपने गधों को गिना तो एक गधा कम था। ☐

(ग) छठा गधा बाजार में ही छूट गया था। ☐

(घ) छठे गधे पर किसान बैठा था। ☐

(ङ) किसान की स्मरण-शक्ति बहुत तीव्र थी। ☐

4. किसने, किससे कहा?

	किसने	किससे
(क) "आज बड़ा नुकसान हो गया।"	.....	.....
(ख) "तुम तो निरे मूर्ख हो!"	.....	.....
(ग) "देखो, बात यह है कि दिनभर की दौड़-धूप में मैं इतना थक जाता हूँ।"	.....	.....

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) किसान अपने छः गधों पर क्या ले जाता था?

(ख) किसान ने रास्ते में क्या सोचा?

(ग) किसान क्यों परेशान हो गया?

(घ) किसान को परेशान देखकर उसकी पत्नी ने क्या पूछा?

(ड) अंत में किसान ने अपनी सफाई में क्या कहा?

भाषा-ज्ञान

- संज्ञा व सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

1. नीचे कुछ संज्ञा और विशेषण शब्द दिए गए हैं। इनका सही मिलान कीजिए–

संज्ञा	विशेषण
किसान	क्रोधित
गधा	बड़ा
बाजार	भारी
पत्नी	भुलक्कड़
बोरा	कमजोर

2. जो शब्द किसी वस्तु, प्राणी अथवा स्थान के नाम का बोध कराते हैं, वह 'संज्ञा' कहलाते हैं–

अध्याय में आए छः संज्ञा शब्दों को यहाँ लिखिए–

(क) ..... (ख) ..... (ग) .....

(घ) ..... (ङ) ..... (च) .....

क्रियात्मक गतिविधि

- इस कहानी के संदेश को अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

रंगीन पक्षी

(चित्रकथा)

केवल पठन हेतु

महाराज कृष्णदेव राय के दरबार में तेनालीराम विशेष सलाहकार थे। वे बहुत ही विद्वान थे। हर समस्या का हल भी तुरंत कर देते थे। अन्य दरबारी तेनालीराम से ईर्ष्या करते थे। एक बार एक बहेलिया राजदरबार में आया और बोला–

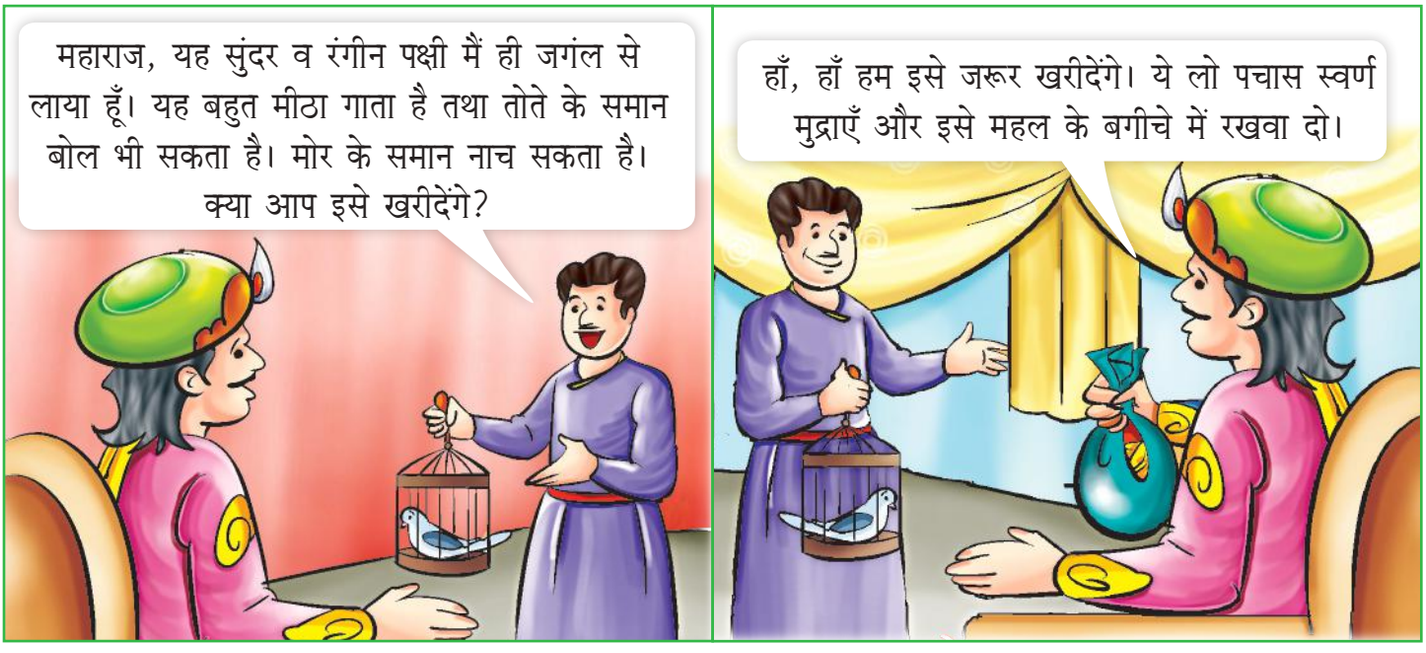

तेनालीराम अपने स्थान से खड़े हुए थे और बोले–

तेनालीराम ने एक गिलास पानी पक्षी के पिंजरे में गिरा दिया। पक्षी का रंग हल्का भूरा और पानी रंगीन हो गया।

अपनी पोल खुलते हुए देख बहेलिया वहाँ से भागने लगा। सिपाहियों ने उसे पकड़ लिया।